न्यूनतम वेतन दर

केंद्र सरकार ने परिवर्तनीय महंगाई भत्ते में संशोधन करके न्यूनतम मजदूरी दरों में वृद्धि की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु

- **प्रभावी:** नई मजदूरी दरें **1 अक्टूबर** से प्रभावी होंगी।
- **वर्गीकरण:** न्यूनतम मजदूरी दरों को कौशल स्तर- अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और उच्च कुशल के साथ-साथ भौगोलिक क्षेत्र ए, बी और सी के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।
- **संशोधित मजदूरी दरें:** संशोधन के बाद क्षेत्र 'ए' में निर्माण, झाड़ू लगाने, सफाई, लोडिंग-अनलोडिंग जैसे अकुशल कार्यों में लगे श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर 783 रुपये प्रतिदिन होगी।

  - **अर्ध-कुशल श्रमिकों** के लिए न्यूनतम मजदूरी 868 रुपये प्रतिदिन होगी, तथा कुशल, लिपिक, तथा निगरानी एवं संरक्षक (बिना हथियार) के लिए न्यूनतम मजदूरी 954 रुपये प्रतिदिन होगी।
  - **अत्यधिक कुशल श्रमिकों** और निगरानी एवं रखवाली (हथियारों सहित) के लिए संशोधित वेतन 1,035 रुपये प्रतिदिन होगा।

7वां राष्ट्रीय पोषण माह

26 सितम्बर 2024 तक देश भर में नौ करोड़ 68 लाख से अधिक कार्यक्रम आयोजित हो चुके हैं।

पोषण माह क्या है?

- **'पोषण माह'** एक राष्ट्रव्यापी उत्सव है जो पोषण जागरूकता को बढ़ावा देता है और एक स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में कार्रवाई को प्रेरित करता है।
- इस वर्ष, अपने 7वें चरण में, **पोषण माह अभियान** महत्वपूर्ण विषयों जैसे **एनीमिया की रोकथाम, विकास की निगरानी, सुशासन और प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रभावी सेवा वितरण,** "पोषण भी पढ़ाई भी" और पूरक पोषण पर केंद्रित है।
- **2018 से अब तक पूरे देश में 6 पोषण माह और पोषण पखवाड़ा आयोजित किए जा चुके हैं,** जिनमें से 7वां राष्ट्रीय पोषण माह अभी चल रहा है। विभिन्न थीमों के तहत इन जागरूकता अभियानों के दौरान 100 करोड़ से अधिक पोषण-केंद्रित संवेदीकरण गतिविधियां रिपोर्ट की गई हैं।
- देशभर में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का 7वां संस्करण पोषण संबंधी चर्चा में नई ऊर्जा लेकर आया है। इसकी **शुरुआत गुजरात के गांधीनगर से** हुई।

राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के विषय

- **एनीमिया मुक्त भारत:** छह आयु समूह, छह हस्तक्षेप और छह संस्थागत तंत्र यानि 6x6x6 रणनीति के माध्यम से एनीमिया के मामलों को कम करने पर केंद्रित यह पहल देश भर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

- **तकनीक-संचालित समाधान:** 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के लिए वास्तविक समय पर पोषण वितरण की निगरानी और सुधार के लिए पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना।

- **तीव्र जन आंदोलन:** प्रत्येक घर में पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने वाली सामुदायिक-नेतृत्व वाली गतिविधियाँ।
- **पूरक आहार:** लगभग 6 महीने की उम्र में, शिशु की ऊर्जा और पोषक तत्वों की आवश्यकता स्तन दूध से मिलने वाली आवश्यकता से अधिक होने लगती है। इन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पूरक आहार जरूरी है। इस उम्र का शिशु माँ के दूध के अलावा दूसरे खाद्य पदार्थों के लिए भी विकासात्मक रूप से तैयार होता है। पूरक आहार की अवधि के दौरान, बच्चों में कुपोषण का जोखिम बहुत ज्यादा होता है। पूरक आहार की शुरुआत के समय, पोषण की गुणवत्ता, मात्रा और आवृत्ति के बारे में समुदाय को जागरूक करने से बच्चों के स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान

एक पेड़ माँ के नाम अभियान ने वनरोपण में देशव्यापी सफलता हासिल की है, जिसमें उत्तर प्रदेश लगभग 26 करोड़ पौधे लगाकर अग्रणी रहा है तथा राजस्थान ने सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से अपने लक्ष्य को 2.5 गुना अधिक पार कर लिया है।

प्रमुख बिंदु-

- इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी और सरकारी सहयोग के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक हरित और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना है।
- **शुभारंभ:** इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी, जिन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर नई दिल्ली में एक पीपल का पौधा लगाया था, जिसका लक्ष्य इस महीने के भीतर 80 करोड़ पेड़ लगाना है।

आगे का मार्ग

- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से समुदाय और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध विकसित होने, टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा मिलने और राज्य के हरित आवरण में वृद्धि होने की उम्मीद है।

भारत-इंडोनेशिया संबंधों के 75 वर्ष

भारत-इंडोनेशिया ने अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई

प्रमुख बिंदु

- 26 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में 8वें भारत-इंडोनेशिया विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने किया।
- दोनों पक्षों ने राजनीतिक आदान-प्रदान, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र, व्यापार और निवेश, स्वास्थ्य सेवा और कनेक्टिविटी सहित द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए।
- दोनों पक्षों ने भारत-इंडोनेशिया राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के चल रहे स्मरणोत्सव और इस उपलब्धि को मनाने के लिए आयोजित विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की।

एआईआईबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं बैठक

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने 9वीं एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) बोर्ड ऑफ गवर्नर्स बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

प्रमुख बिंदु

- **आयोजन:** बैठक समरकन्द, उज्बेकिस्तान में आयोजित की गई थी।
- **विषय:** एआईआईबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 9वीं बैठक का विषय था: सभी के लिए लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण।

- एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के स्वीकृत सदस्यों की संख्या 110 हो गई है, जब इसके बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने बैंक की 2024 वार्षिक बैठक के दौरान नाउरू गणराज्य के आवेदन के समर्थन में मतदान किया।

एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) एक बहुपक्षीय विकास बैंक है जिसका मिशन है एशिया और उसके बाहर भविष्य के लिए अवसंरचना का वित्तपोषण करना - जिसके मूल में स्थिरता हो।

इसने 2016 में बीजिंग में अपना परिचालन शुरू किया और तब से दुनिया भर में इसके अनुमोदित सदस्यों की संख्या 110 हो गई है।।

मेक इन इंडिया

25 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी।

प्रमुख बिंदु

- **प्रारंभ तिथि:** 'मेक इन इंडिया' एक पहल है जिसे 25 सितंबर, 2014 को निवेश को सुविधाजनक बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने, सर्वोत्तम बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और भारत को विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार का केंद्र बनाने के लिए शुरू किया गया था।
- यह अनूठी **'वोकल फॉर लोकल'** पहलों में से एक है, जिसने भारत के विनिर्माण क्षेत्र को दुनिया के सामने बढ़ावा दिया।
- इस पहल की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं और वर्तमान में यह **मेक इन इंडिया 2.0 के तहत 27 क्षेत्रों पर केंद्रित** है।
  - उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) 15 विनिर्माण क्षेत्रों के लिए कार्य योजनाओं का समन्वय करता है, जबकि वाणिज्य विभाग 12 सेवा क्षेत्र योजनाओं का समन्वय करता है।

मेक इन इंडिया पहल के 4 स्तंभ:

- **नई प्रक्रिया:** कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने, उद्यमशीलता और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए - 'कारोबार में आसानी' एक महत्वपूर्ण कारक बन गया।
- **नया बुनियादी ढांचा:** औद्योगिक गलियारों, स्मार्ट शहरों का विकास, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और उच्च गति संचार को एकीकृत करना, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) बुनियादी ढांचे में सुधार करना आदि।
- **नए क्षेत्र:** रक्षा उत्पादन, बीमा, चिकित्सा उपकरण, निर्माण और रेलवे अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के द्वार खोले गए।
- **नई मानसिकता:** औद्योगिक विकास और नवाचार को समर्थन देने के लिए सरकार ने नियामक की बजाय सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाई है। सरकार देश के आर्थिक विकास में उद्योग के साथ भागीदारी करती है।

मेक इन इंडिया पहल को सक्षम करने के लिए प्रमुख पहल

- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं:**पीएलआई योजनाओं का प्राथमिक लक्ष्य पर्याप्त निवेश आकर्षित करना, उन्नत प्रौद्योगिकी को शामिल करना और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करना है। ये योजनाएं 14 प्रमुख क्षेत्रों को कवर करती हैं जिनका उद्देश्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा देना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है।
- **पीएम गति शक्ति:** यह एक रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य मल्टी मॉडल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के माध्यम से 2025 तक आत्मनिर्भर भारत और 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करना है। पीएम गति शक्ति आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। यह दृष्टिकोण 7 इंजनों द्वारा संचालित है, अर्थात्: रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और रसद अवसंरचना।
- **सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकास:** इसमें चार प्रमुख योजनाएं शामिल हैं:

- भारत में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने के लिए संशोधित योजना
- भारत में डिस्प्ले फैब स्थापित करने के लिए संशोधित योजना
- भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर, सिलिकॉन फोटोनिक्स, सेंसर फैब्स और डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर के साथ-साथ सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) / ओएसएटी सुविधाएं स्थापित करने के लिए संशोधित योजना
- डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना

❖ **राष्ट्रीय रसद नीति:** पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के पूरक के रूप में पेश किया गया। यह भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के सॉफ्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने पर केंद्रित है।

❖ **राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम:** इसका उद्देश्य "स्मार्ट सिटी" और उन्नत औद्योगिक केंद्र बनाना है।

❖ **स्टार्टअप इंडिया:** उद्यमियों को समर्थन देने, एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने तथा भारत को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी सृजक देश में बदलने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम शुरू किए गए।

❖ **वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कार्यान्वयन:** भारत के कर सुधारों के रूप में, इसे मेक इन इंडिया पहल के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है।

❖ **एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस:** भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास के लिए, इसे व्यापार को आसान बनाने की प्रमुख पहलों में से एक के रूप में देखा जा रहा है।

❖ **व्यापार करने में आसानी:** इन प्रयासों का उद्देश्य विनियमों को सरल बनाना, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करना, और अधिक व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाना है, जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा और मेक इन इंडिया पहल के उद्देश्यों को समर्थन मिलेगा।

चर्चित व्यक्तित्व

शिगेरू इशिबा

उन्हें **जापान का नया प्रधानमंत्री** नियुक्त किया गया है।

चर्चित स्थान

सियाचिन

❖ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लद्दाख में सियाचिन बेस कैंप का दौरा किया और सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों और अधिकारियों से बातचीत की।

❖ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के बाद सियाचिन ग्लेशियर का दौरा करने वाली तीसरी राष्ट्रपति हैं।

❖ **सियाचिन ग्लेशियर, काराकोरम रेंज में स्थित है।** यह 6,115 मीटर की ऊँचाई पर मुख्य इंदिरा कोल के आधार पर उत्पन्न होता है, और 3,570 मीटर की ऊँचाई तक उतरता है। यह 75 किमी (47 मील) लंबा है, जो इसे दुनिया का दूसरा सबसे लंबा गैर-ध्रुवीय ग्लेशियर बनाता है।

❖ यह **दुनिया का सबसे ऊंचा सैन्य-अधिकृत क्षेत्र** है और अप्रैल 1984 **से ऑपरेशन मेघदूत** के तहत भारतीय सेना द्वारा संरक्षित है।

इंडेक्स/रिपोर्ट

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित **वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024 रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में से भारत 39वें स्थान पर** है।
- पिछले कई वर्षों से वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) में भारत की स्थिति में सुधार हो रहा है, जो 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2024 में 39वें स्थान पर पहुंच गया है।
- भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है।
- जीआईआई दुनिया भर की सरकारों के लिए अपने-अपने देशों में नवाचार-आधारित सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए एक विश्वसनीय उपकरण है।
- **जारीकर्ता:** ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स, विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO) द्वारा प्रकाशित नवाचार के लिए उनकी क्षमता और सफलता के आधार पर देशों की वार्षिक रैंकिंग है। इसे 2007 में INSEAD और वर्ल्ड बिजनेस द्वारा शुरू किया गया था, जो एक ब्रिटिश पत्रिका है।
- **भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में प्रथम स्थान पर है,** तथा विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है।
- मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समूहों में सूचीबद्ध हैं, और भारत अमूर्त परिसंपत्ति गहनता में वैश्विक स्तर पर 7वें स्थान पर है।
- **सर्वाधिक नवोन्मेषी:** विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की जीआईआई 2024 के अनुसार, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, सिंगापुर और यूके दुनिया की सबसे नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं हैं।
- **तेजी से बढ़ने वाले देश:** डब्ल्यूआईपीओ के अनुसार, चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस पिछले दशक में तेजी से बढ़ने वाले देश हैं।

महत्वपूर्ण दिन/तारीख

27 सितंबर

विश्व पर्यटन दिवस

- विश्व पर्यटन दिवस हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है, जिसमें लोगों को जोड़ने और अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका पर प्रकाश डाला जाता है।
- इस वर्ष का विषय **'पर्यटन और शांति'** है।
- इस दिन का उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों के लिए अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना भी है।

अन्य राज्यों से महत्वपूर्ण समसामयिकी

नई दिल्ली

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने **'धूल मुक्त दिल्ली'** पहल शुरू की है।

वैश्विक समसामयिकी

चीन

24 सितंबर, 2024 को पूर्वी चीन के शांदोंग प्रांत के हैयांग शहर के निकट समुद्र से आठ उपग्रहों को ले जाने वाला **स्मार्ट ड्रैगन-3 वाहक रॉकेट प्रक्षेपित** किया गया।

विविध

- **भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)** गिरीश चंद्र मुर्मू ने 2024-2027 की अवधि के लिए **एशियाई सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों के संगठन (ASOSAI)** की अध्यक्षता संभाल ली है।

❍❍❍❍